युवा महोत्सव केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं : अशोक अरोड़ा

जोनल युवा महोत्सव में कलाकारों ने दिखाई शानदार प्रतिभा

कुरुक्षेत्र, 19 अक्तूबर (हप्र)

सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय युवा महोत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर कला, संस्कृति, संगीत और उत्साह से सराबोर रहा। प्रातः कालीन सत्र में प्रतिभागियों को आशीर्वाद देने के लिए स्वयं परमाध्यक्ष ब्रह्म स्वरूप महाराज पधारे। मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त समाजसेवी महेंद्र सिंगला भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सुदेश रावल ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा ने कि युवा महोत्सव केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने का मंच है। जब कोई विद्यार्थी मंच पर आकर गीत गाता है, नृत्य प्रस्तुत करता है, कविता सुनाता है या किसी अन्य प्रतियोगिता में भाग लेता है, तो वह केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं करता, बल्कि अपने आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाता है। ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन में प्रतिभा के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ विनम्रता और सफलता के साथ सेवा-भाव का होना भी बहुत आवश्यक है। कला मनुष्य के अंतर्मन को सुंदर बनाती है और संस्कृति हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए अपनी प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपनी संस्कृति का सदैव सम्मान करें।

कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि विधायक अशोक अरोड़ा। -हप्र

जयराम कन्या महाविद्यालय में चल रहे जोनल युवा महोत्सव में कलाकारों ने दिखाई शानदार प्रतिभा, बड़े बड़े भी हुए दंग

» स्टार सवेरा, एजेंसी।

अश्विनी वालिया कुरुक्षेत्र।

देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ग्रामीण आंचल की कन्याओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से गतिमान सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय युवा महोत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर कला, संस्कृति, संगीत और उत्साह से सराबोर रहा। प्रातः कालीन सत्र में प्रतिभागियों को आशीर्वाद देने के लिए स्वयं परमाध्यक्ष ब्रह्म स्वरूप महाराज पधारे। मुख्य अतिथि के रूप

में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त जाने माने व्यवसायी और समाजसेवी महेंद्र सिंगला भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएसएस कोऑर्डिनेटर आनंद कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त डी वाई सी ए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के सभी गणमान्य सदस्य एवं निर्णायक मंडल उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सुदेश रावल ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा ने कि युवा महोत्सव केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने का मंच है। जब कोई विद्यार्थी मंच पर आकर गीत गाता है, नृत्य प्रस्तुत करता है, कविता सुनाता है या किसी अन्य प्रतियोगिता में भाग लेता है, तो वह केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं करता, बल्कि अपने आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाता है। ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन में प्रतिभा के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ विनम्रता और सफलता के साथ सेवा-भाव का होना भी बहुत आवश्यक है। कला मनुष्य के अंतर्मन को सुंदर बनाती है और संस्कृति हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए अपनी प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपनी संस्कृति का सदैव सम्मान करें। महेंद्र सिंगला ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेते समय मन में उत्साह रखें, अपने प्रयासों पर विश्वास करें और परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। जीतने पर अहंकार न करें और यदि अपेक्षित सफलता न मिले, तो निराश न हों। हार और जीत जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन निरंतर प्रयास करते रहना ही सच्ची साधना है। हमारी भारतीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। हरियाणा की अपनी विशिष्ट लोक परंपराएं, लोकगीत, लोकनृत्य और सांस्कृतिक विरासत हैं। हमारी मिट्टी में मेहनत, साहस, भाईचारे और सेवा की भावना रची-बसी है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रहती है और हमारी परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचती हैं। प्राचार्या डा. सुदेश रावल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा कल्याण विभाग, सभी अतिथियों, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, निर्णायक मंडल, आयोजन समितियों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और समर्पण से यह युवा महोत्सव विद्यार्थियों के लिए यादगार अनुभव बना है।

जयराम कन्या महाविद्यालय में चल रहे जोनल युवा महोत्सव में कलाकारों ने दिखाई शानदार प्रतिभा

जयराम कन्या महाविद्यालय में चल रहे जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा

» स्टार सवेरा,एजेंसी।

सुनील कुमार,कुरुक्षेत्र। देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ग्रामीण आंचल की कन्याओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से गतिमान सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। युवा महोत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर कला, संस्कृति, संगीत और उत्साह से सराबोर रहा। प्रातः कालीन सत्र में प्रतिभागियों को आशीर्वाद देने के लिए स्वयं परमाध्यक्ष ब्रह्म स्वरूप महाराज पधारे। मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त जाने माने व्यवसायी और समाजसेवी महेंद्र सिंगला भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएसएस कोऑर्डिनेटर आनंद कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त डी वाई सी ए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के सभी गणमान्य सदस्य एवं निर्णायक मंडल उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सुदेश रावल ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा ने कि युवा महोत्सव केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने का मंच है। ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन में प्रतिभा के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ विनम्रता और सफलता के साथ सेवा-भाव का होना भी बहुत आवश्यक है।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

जयराम कन्या महाविद्यालय के युवा महोत्सव में कलाकारों की प्रतिभा देख दंग रह गए दर्शक

- ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने प्रतिभागियों को दिया संस्कारों और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश
- विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा—युवा महोत्सव आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त मंच

सवेरा न्यूज/जसबीर सिंह

कुरुक्षेत्र, 19 अक्टूबर : सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गीत-संगीत, नृत्य, साहित्य और अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभा, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर कला, संस्कृति और उत्साह के रंगों से सराबोर रहा।

प्रात:कालीन सत्र में श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया। कुरुक्षेत्र के विधायक अशोक अरोड़ा मुख्य अतिथि रहे, जबकि प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी महेंद्र सिंगला विशेष अतिथि और एनएसएस समन्वयक आनंद कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के प्रतिनिधियों तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुदेश रावल ने अतिथियों का स्वागत किया।

विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि युवा महोत्सव केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त मंच है। गीत, नृत्य, कविता और अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थियों का व्यक्तित्व निखरता है तथा उन्हें अपनी क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिलता है।

ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने कहा कि प्रतिभा के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ विनम्रता और सफलता के साथ सेवा-भाव भी आवश्यक है। कला मनुष्य के अंतर्मन को सुंदर बनाती है, जबकि संस्कृति हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है।

महेंद्र सिंगला ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रतियोगिताओं में परिणाम की चिंता किए बिना पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।

प्राचार्या डॉ. सुदेश रावल ने विश्वविद्यालय के युवा कल्याण विभाग, अतिथियों, प्राचार्यों, प्राध्यापकों, निर्णायक मंडल, आयोजन समितियों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग से युवा महोत्सव विद्यार्थियों के लिए यादगार अनुभव बना है।

VIEWER Choice News
Jammu, Tuesday, 20 October 2026

Young Artists Leave Audience Spellbound at Jairam Girls' College Zonal Youth Festival

Brahmaswaroop Brahmachari Urges Students to Stay Rooted in Values and Culture; MLA Ashok Arora Calls Youth Festival a Powerful Platform for Building Self-Confidence

Jasbir Singh Duggal

Kurukshetra, October 19: The third day of the Zonal Youth Festival of Kurukshetra University, being hosted at Seth Navrang Rai Lohia Jairam Girls' College, witnessed outstanding performances by students from various colleges. The participants mesmerised the audience with their talent, creativity and artistic skills through music, dance, literary events and other cultural competitions. Throughout the three-day festival, the college campus remained vibrant with the colours of art, culture and enthusiasm.

During the morning session, Brahmaswaroop Brahmachari, president of the Jairam institutions, blessed the participants and encouraged them to excel. Kurukshetra MLA Ashok Arora attended the event as the chief guest, while renowned businessman and social worker Mahendra Singla was the special guest. Anand Kumar, NSS Coordinator, attended as the distinguished guest. Representatives of the Youth and Cultural Affairs Department of Kurukshetra University and members of the judging panel were also present. College Principal Dr. Sudesh Rawal welcomed the guests.

MLA Ashok Arora said that a youth festival was not merely an opportunity to win awards but also a powerful platform for students to discover their potential and strengthen their self-confidence. Participation in singing, dancing, poetry and other competitions helps students develop their personalities and provides opportunities to enhance their abilities.

Blessing the participants, Brahmaswaroop Brahmachari said that talent must be accompanied by values, knowledge by humility, and success by a spirit of service. Art beautifies the inner self, while culture keeps people connected to their roots. He urged students to always respect their parents, teachers and Indian cultural heritage while continuing to nurture their talents.

Mahendra Singla encouraged the participants to perform to the best of their abilities with enthusiasm and confidence, without worrying excessively about the results. He said that students should remain humble in victory and never lose heart in defeat. Continuous effort and perseverance, he added, were the true mantras of success. Highlighting Haryana's rich cultural heritage, folk songs and traditional dances, he said that such events help connect the younger generation with its cultural roots and ensure that traditions are passed on to future generations.

Principal Dr. Sudesh Rawal expressed her gratitude to the University's Youth Welfare Department, guests, college principals, faculty members, judges, organising committees, volunteers and participants. She said that the collective cooperation and dedication of everyone involved had made the festival a memorable experience for the students.

Kurukshetra Youth festival showcases remarkable talent

■ **HP Correspondent**

KURUKSHETRA: The third day of Kurukshetra University's Zonal Youth Festival, hosted at Seth Navrang Rai Lohia Jairam Girls' College, witnessed impressive performances in music, dance, literary events and cultural competitions.

Jairam institutions' president Brahmaswaroop Brahmachari blessed participants and urged them to remain rooted in Indian culture, respect parents and teachers, and combine talent with humility and service.

Kurukshetra MLA Ashok Arora, the chief guest, described youth festivals as platforms for discovering talent, building self-confidence and developing personality. Special guest Mahendra Singla encouraged students to perform confidently, remain humble in victory and learn from defeat.

Anand Kumar, NSS Coordinator, attended as the distinguished guest, along with university officials and judges. College Principal Dr. Sudesh Rawal welcomed the guests and thanked the University's Youth Welfare Department, participating colleges, faculty members, judges, volunteers and organising committees for their cooperation.

The three-day festival celebrated creativity, artistic excellence and Haryana's rich cultural heritage, encouraging young people to preserve traditions while developing their abilities and confidence.

जयराम कन्या महाविद्यालय में चल रहे जोनल युवा महोत्सव में कलाकारों ने दिखाई शानदार प्रतिभा, बड़े बड़े भी हुए दंग

जयराम कन्या महाविद्यालय में चल रहे जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया

•रीता वालिया ब्यूरो चीफ

कुरुक्षेत्र। देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ग्रामीण आंचल की कन्याओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से गतिमान सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के जोनल युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय युवा महोत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर कला, संस्कृति, संगीत और उत्साह से सराबोर रहा। प्रातः कालीन सत्र में प्रतिभागियों को आशीर्वाद देने के लिए स्वयं परमाध्यक्ष ब्रह्म स्वरूप महाराज पधारे। मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त जाने माने व्यवसायी और समाजसेवी महेंद्र सिंगला भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएसएस कोऑर्डिनेटर आनंद कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त डी वाई सी ए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के सभी गणमान्य सदस्य एवं निर्णायक मंडल उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सुदेश रावल ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा ने कि युवा महोत्सव केवल पुरस्कार जीतने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने का मंच है। जब कोई विद्यार्थी मंच पर आकर गीत गाता है, नृत्य प्रस्तुत करता है, कविता सुनाता है या किसी अन्य प्रतियोगिता में भाग लेता है, तो वह केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं करता, बल्कि अपने आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाता है। ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन में प्रतिभा के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ विनम्रता और सफलता के साथ सेवा-भाव का होना भी बहुत आवश्यक है। कला मनुष्य के अंतर्मन को सुंदर बनाती है और संस्कृति हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए अपनी प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपनी संस्कृति का सदैव सम्मान करें। महेंद्र सिंगला ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेते समय मन में उत्साह रखें, अपने प्रयासों पर विश्वास करें और परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। जीतने पर अहंकार न करें और यदि अपेक्षित सफलता न मिले, तो निराश न हों। हार और जीत जीवन का हिस्सा है, लेकिन निरंतर प्रयास करते रहना ही सच्ची साधना है। हमारी भारतीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। हरियाणा की अपनी विशिष्ट लोक परंपराएं, लोकगीत, लोकनृत्य और सांस्कृतिक विरासत हैं। हमारी मिट्टी में मेहनत, साहस, भाईचारे और सेवा की भावना रची-बसी है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रहती है और हमारी परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचती हैं। प्राचार्या डा. सुदेश रावल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा कल्याण विभाग, सभी अतिथियों, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, निर्णायक मंडल, आयोजन समितियों, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और समर्पण से यह युवा महोत्सव विद्यार्थियों के लिए यादगार अनुभव बना है।